

तारीख हुक्म

20-01-25

पत्रावली पेश हुई। न्यायालय समय पर अधिवक्ता वादी एवं वादीगण के नाम से अलग-अलग समय पर तीन बार आवाज दिलाई गई। कोई उपस्थित नहीं। इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि अधिवक्ता वादी एवं वादीगण अपने वाद को लेकर गंभीर नहीं हैं।

लिखाजा वादी का वाद 'अदम पेरवी' व 'अदम हाजिरी' में इसी स्तर पर खारिज किया जाता है।

पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफतर हो व नंबर से कम हो।

20/01/25
 सहायक कलक्टर
 (S.D.O.), जयपुर

